Not updated check list

भ्रमण आख्या

पर्यवेक्षण का नाम –: 1. डा0 अर्चना वर्मा, महाप्रबंधक, क्वालिटी एश्योरेंस
2. ड0 प्रीति मदान, परामर्शदाता, क्वालिटी एश्योरेंस
3. डा0 कमल मिश्रा, परामर्शदाता, क्वालिटी एश्योरेंस
4. संजय कुमार, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय कार्यक्रम

भ्रमण स्थल –: उपकेंद्र, बासनी, जनपद वाराणसी
भ्रमण की तारीख –: 07–09 जून, 2017
भ्रमण का उद्देश्य –: सर्पोटिव सुपरविजन

1. वी0एच0एन0डी0 दिवस पर आशा, आंगनवाड़ी, ए0एन0एम0 आदि उपकेन्द्र पर कार्यरत स्टाफ यूनिफार्म में नही थे। एक आशा भी उपकेन्द्र पर उपस्थित नही थी। सभी स्टाफ को यूनिफार्म में रहने हेतु निर्देशित किया गया ओर वी0एच0एन0डी0 के दिन सबकी उपस्थिति अनिवार्य है।
2. उपकेन्द्र में सफाई बहुत अभाव था उपकेन्द्र के डिलीवरी टेविल में जंग लगा हुआ था शौचालय मे बहुत गंदगी थी एवं वॉश बेसिन भी बहुत गन्दा था। उपकेन्द्र के भवन की मरम्मत की भी आवयश्कता हैं एक कोने से दीवार की ईंटें निकल चुकी हैं दीवारों पर बहुत सीलन है प्लास्टर भी कई जगह से उखड गया है। सफाई हेतु व्यवस्था करने हेत ए0एन0एम0 एवं एम0ओ0आई0सी0 बड़ागाँव को भी सुझाव दिया गया है।
3. उपकेन्द्र में जैविक कचरे के निदान की कोई व्यवस्थ्या नही की गयी हैं, जबकि यह उपकेन्द्र एक डिलीवरी प्वांइट है और माह में लगभग 08 से 10 डिलीवरी होती हैं। जैविक कचरे के निदान हेतु व्यवस्था किये जाने के लिये ए0एन0एम0 एवं एम0ओ0आई0सी0 को आवश्यक कदम उठाने के लिये सुझाव दिये गये।
4. उपकेन्द्र में पानी की निकासी के समस्या है। ए0एन0एम0 ने अवगत कराया कि यहा पानी के निकास का कोई जरिया नही है।
5. उपकेन्द्र को डिलीवरी प्वाइन्ट बनाया गया हैं यहाँ पर प्रत्येक माह में लगभग 08 से 10 तक डिलीवरी होती हैं। परन्तु डिलीवरी टेबिल बहुत पुराना था जिसमें जंग लगा हुआ है जिसको बदले जाने हेतु एम0ओ0आई0सी0 बडागाँव को भी सूचित किया गया है। डिलीवरी के उपरान्त किया जाने वाला टीकाकरण बी0सी0जी0, हिपेटाइटिस –बी0, पोलियो नही दिया जा रहा है जिससे नवजात बिना टीकाकरण के जा रहे हैं। कोल्ड चेन की सुविधा उपकेन्द्र पर उपलब्ध नही है। उपकेन्द्र पर वैक्सीन बॉक्स उपलब्ध कारने हेतु एम0ओ0आई0सी0 बडागाँव को सुझाव किया गया।

6. उपकेन्द्र पर तैनात बबीता देवी, आशा बहु के पास मेडिकल किट नहीं है, जब आशा संगिनी से सम्पर्क किया गया तो उसने बताया कि कई बार इस आशा से सम्पर्क किये जाने के बाद भी इसके द्वारा मेडिकल किट को सी0एच0सी0 से प्राप्त नही किया गया उक्त आशा को निर्देशित किया गया हैं कि तत्काल सी0एच0सी0 जा कर सम्बन्धित से मेडिकल किट प्राप्त करें एवं नियमानुसार कार्य सम्पादित करें।
7. आंगनवाड़ी वर्कर के पास मेडिकल किट नही है। और उसके द्वारा वी0एच0एन0डी0 पर भी न्यूट्रीशन सप्लीमेंन्ट वितरण नही किया जा रहा है। पूछने पर उसने बताया कि प्रति माह केवल 03 दिन ही (05, 15, 25 तारीख) न्यूट्रीशन सप्लीमेंन्ट का वितरण किया जाता है। जो नियम के विरूद्ध है।
8. उपकेन्द्र के क्षेत्र में एक होम डिलीवरी रिपोर्ट हुई जिसके (Still birth)मृत बच्चा पैदा हुआ है।
9. 'मदर चाइल्ड ट्रैकिंग' सिस्टम के द्वारा गर्भवती महिलाओं को कॉल नही किया जा रहा है।

उपकेन्द्र का भ्रमण करने के उपरान्त ए0एन0एम0 व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से मिल कर उपकेन्द्र में पायी गयी कमियों के बारे मे बिन्दुवार चर्चा की गयी तथा उनको दूर करने के लिये कहा गया।

<u>भ्रमण स्थल सी0एच0सी0 अराजीलाईन वाराणसी :–</u>

1. वी0एच0एन0डी0 के दौरान दिये जाने वाले न्यूट्रीशन सप्लीमेन्ट आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को नहीं दिये गये थे। न्यूट्रीशन सप्लीमेन्ट माह में 03 दिन दिये जा रहे थे (दिनांक : 05, 15, 25 प्रतिमाह)।
2. एन्टी हाईपरटेन्सिव ड्रग, इन्जेक्शन मैगसल्फ सी.एच.सी. में उपलब्ध नहीं थे।
3. ब्लड स्टोर यूनिट सी0एच0सी0 पर स्थापित नहीं किया गया था।
4. पिडियाट्रिक अम्बू बैग मास्क एवं अम्बू बैग (0,1) उपलब्ध नहीं थे।
5. RTI, STI Kit उपलब्ध नहीं थे।
6. मरीजों एवं उनके तीमारदारों की समस्याओं के निवारण हेतु कोई भी व्यवस्था नहीं थी।

<u>पी0एच0सी0 बड़ागांव :–</u>

लेबर रूम :–

1. जैव अपशिष्ट का निस्तारण नहीं किया जा रहा था एवं सामान्य अपशिष्ट के साथ में मिला हुआ पाया गया। बायोमेडिकल विंस ढ़के हुए नहीं थे एवं सामान्य कचरे हेतु ब्लैक विंस नहीं पाये गये।
2. चिकित्सा इकाई के पेशेंन्ट केयर क्षेत्र में झाड़ू का उपयोग किया जा रहा था, जहां पर वेटमॉप का उपयोग किया जाना चाहिए।
3. लेवर रूम में 02 लेबर टेबल के मध्य पर्दा न लगे होने के कारण पेंशेन्ट प्राईवेसी भंग हो रही थी।
4. भ्रमण दल के द्वारा लेबर रूम में डिजिटल क्लॉक उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये, जिससे बच्चे का जन्म का सही समय दर्ज किया जा सके।
5. लेबर रूम का तापमान जानने हेतु रूम टेम्प्रेचर मीटर उपलब्ध कराये जाने के लिए निर्देश दिये गये।
6. लेबर रूम में मानक के अनुसार उपलब्ध होने वाली 07 ट्रे में से इपीजियोटॉमी ट्रे उपलब्ध नहीं थी।
7. स्पिल मैनेजमेन्ट किट उपलब्ध नहीं था।
8. लेबर रूम में जाने से पहले स्लिपर नहीं पायी गयी, जिससे स्टाफ एवं मरीज अपने–अपने फुटवियर में ही लेबर रूम में जा रहे थे। लेबर रूम के बाहर शू–रैक रखवाने हेतु कहा गया।
9. स्टॉफ का स्वास्थ्य परीक्षण एवं इम्यूनाईजेशन नहीं किया गया है।
10. लेबर रूम में हाथ धोने के लिए वॉशबेशिन उपलब्ध नहीं था।
11. थ्री–बकेट मॉपिंग सिस्टम उपलब्ध नहीं था एवं स्टॉफ को यूनिडायरेक्शलन क्लीनिंग की जानकारी नहीं थी।
12. मरीज के तीमारदारों हेतु बैठने की कोई व्यवस्था नहीं थी।
13. अम्बू–बैग ऑक्सीजन मास्क खुले में रखे थे, जिसमें धूल जमी हुई थी।
14. सक्शन मशीन काम नहीं कर रही थी।
15. हाउस किपिंग स्टॉफ पी0पी0ई0 का उपयोग नहीं कर रहे थे।

लैब :–

1. स्पूटम एवं ब्लड के नमूने का निस्तारण नियमानुसार नहीं हो रहा था।
2. लैब में कार्य करते समय पी0पी0ई0 का उपयोग नहीं किया जा रहा था।
3. कलर कोडेड विन्स, हब कटर एवं पन्चर प्रूफ बॉक्स लैब में उपलब्ध नहीं थे।
4. कार्य निर्देश प्रदर्शित नहीं था।

अन्य विविध गैप्स :–

1. चिकित्सा इकाई पर जहां शिकायत पेटिका पाई गई वहां ग्रिव्यांस रिड्रेसल प्रकिया प्रदर्शित नहीं थी।
2. वॉटर टैंक की सफाई नियमित रूप से नहीं की जा रही थी।
3. बॉयोमेडिकल वेस्ट संग्रहण कक्ष में सफाई नहीं पाई गई, और कलर कोडेड वीन्स एवं जोनिंग नहीं थी निषप्रयोग सामान पड़ा हुआ था।
4. इन्फेक्शन कन्ट्रोल कमेटी की मीटिंग भ्रमण दिनांक तक नहीं की गई थी।
5. ड्रेस कोड एवं एन्टीबॉयोटिक पॉलिसी लागू नहीं थी।
6. उपलब्ध दवाईयों की सूची फॉर्मेसी में डिस्प्ले नहीं थी।

<u>एस0एस0पी0जी0 हास्पिटल वाराणसी :–</u>

1. आपरेशन थियेटर में एयर कंडिशनल कियाशील नहीं था उसके स्थान पर पंखें प्रयोग किये जा रहे थे, जिससे इन्फेंक्शन होने का खतरा है। अस्पताल प्रशासन को इस सम्बन्ध में जानकारी दे दी गयी हैं उनके द्वारा यह अवगत कराया गया है कि उक्त मेन्टीनेन्स कार्यों हेतु बजट की उपलब्धता ना होने के कारण ये कार्य नहीं किये जा रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि आपरेशन थियेटर की एयर कंडिशनर को बदलवा दिया जाये या मरम्मत करा दी जाये और पंखो को आपरेशन थियेटर से हटा लिया जाये जिससे मरीजों को होने वाले इन्फेक्शन से बचाया जा सके।

2. सफाई कर्मियों के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एव राउन्ड के अनुसार सफाई नही की जा रही हैं एवं उपस्थिति रजिस्टर के अनुसार प्रथम पाली में 30 द्वितीय पाली में केवल 03 एवं तृतीय पाली में 03 सफाई कर्मी ही उपस्थित रह रहें। अस्पताल के गलियारों एवं शौचालयों में बहुत गन्दगी हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि अस्पताल परिसर की साफ–सफाई हेतु अनुबन्धित संस्था के सुपरवाईजर एवं प्रबन्धक के साथ बैठक कर उनको निर्देशित करें कि सभी सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति एवं निर्धारित कार्यक्रम व निर्धारित राउन्ड के अनुसार अस्पताल परिसर में सफाई कराना सुनिश्चित करें।
3. अस्पताल के मॉच्युरी मे बहुत गंदगी हैं तथा उसके एक कमरे में पानी भरा हुआ हैं बताया जा रहा हैं कि उस कमरे का फर्श तल कॉरीडोर से नीचे है, जिस कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है। इसको तत्काल ठीक कराने हेतु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया है।
4. अस्पताल में मरीजों को उच्च गुणवत्तापरक भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। सब्जी एवं दाल में पानी अधिक था तथा रोटिया सही से नही सेकी गयी थी एवं भोजन का वितरण शाम 04:00 से ही प्रारम्भ किया जा रहा जो सही नहीं है। इस सम्बन्ध में अस्पताल के अधीक्षक को भोजन का प्रतिदिन का मेन्यू निर्धारण करने व भोजन की गुणवत्ता बनाये रखने एवं भोजन को ससमय ढक्क्न दार ट्रॉली का उपयोग करते हुए वितरण किये जाने हेतु सुझाव दिये गये। भोजन की गुणवत्ता प्रतिदिन चेक किये जाने हेतु डाक्टर/स्टाफ नर्स ऑन ड्यूटी को निर्देशित किये जाने हेतु सलाह दी गयी।

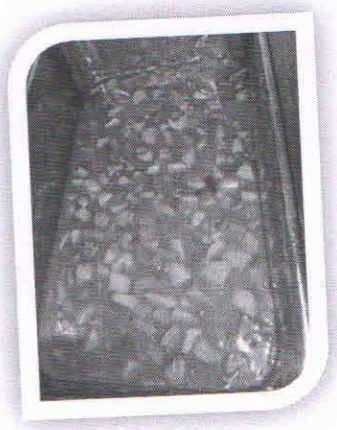
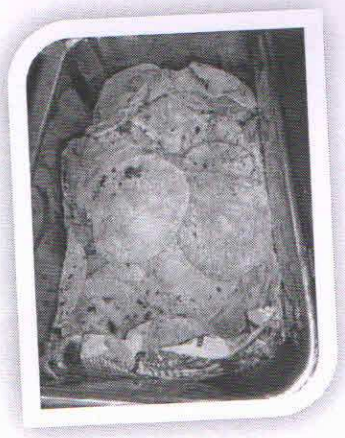

5. पैथालॉजी लैब में प्रयोग की जा चुकी निडिल्स को टेबल पर रखा पाया गया तथा पैथोलॉजी में कचरा प्रबन्धन हेतु अवगत कराया गया।

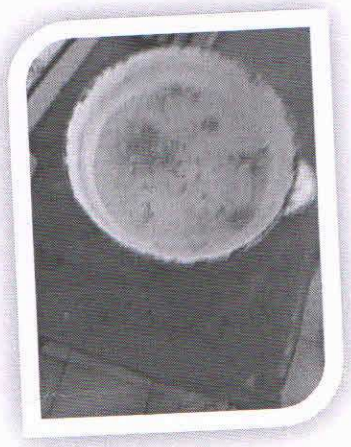

6. अस्पताल के लॉन्ड्री रूम में बेड शीट की बिधिवत धुलाई की जा रही हैं परन्तु धुलाई के बाद प्रेस करके बेड शीट को अस्पताल के फर्श पर ही रख दिया जा रहा है। जिससे उनके संकमित होने का खतरा बना हुआ हैं। अतः इन बेडशीटों को धुलाई के बाद बंद अलमारी में रखने हेतु सुझाव दिया गया।

7. *अस्पताल परिसर में फ्री भोजन एवं बेड मिलने के कारण भिखारियों द्वारा अनाधिकृत प्रवेश किया जा रहा है और उनके द्वारा अस्पताल की व्यवस्था खराब की जा रही है, जिससे कर्मचारियों एवं अन्य मरीजों को असुविधा हो रही हैं उक्त के सम्बन्ध में अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक से चर्चा की गयी तो उनके द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में कई बार प्रयास किये गये परन्तु ये लोग एक बार निकाले जाने बाद भी फिर आ जाते है। पुलिस प्रशासन का सहयोग न मिलने के कारण भी इन लोगो को अस्पताल से हटा पाना सम्भव नही हो पा रहा हैं। उक्त के सम्बंध में जिलाधिकारी से सहयोग प्राप्त किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किये जाने हेतु कहा गया।*

8. अस्पताल में सुरक्षा की स्थिति बहुत खराब हैं क्योकि अस्पताल में सिक्योरिटि गार्ड की उपलब्धता नही हैं उनके स्थान पर स्थानीय प्रशासन के द्वारा कुछ होम गार्डस की ड्यूटी लगायी गयी हैं अस्पताल इन्चार्ज के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा अस्पताल की मंशा के अनुरूप कार्य नही किया जा जाता है।

9. अस्पताल में बहुत सारा समान कन्डमनेशन हेतु खराब पडा हुआ है। जिसे अस्पताल की छतों पर खुले में भी स्टोर किया गया जिससे मच्छरो का भी खतरा बना हुआ हैं हैं इस समान को कन्डम करने की प्रकिया अस्पताल द्वारा नही की जा रही है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि सभी समाान जो कार्य से रिटायर हो चुका है। या पूरी तरह से खराब हो चुका है। ओर कन्डम कराने हेतु स्टोर कर दिया गया हैं उस समान को कन्डमनेशन करा लिया जायें।

चिकित्सालय का भ्रमण करने के उपरान्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एव अपर निदेशक से मिल कर चिकित्सालय में पायी गयी कमियों के बारे मे बिन्दुवार चर्चा की गयी तथा उनको दूर करने के लिये कहा गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक का कार्यवृत्त :–

राज्य स्तरीय टीम के साथ सी0एम0ओ0 वाराणसी, सी0एम0एस0 दीन दयाल उपाध्याय चिकित्सालय, डिवीजनल एवं डिस्ट्रिक्ट कंसल्टेंट एवं हास्पिटल क्वालिटी मैनेजर द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी के साथ बैठक की गयी एवं भ्रमण के दौरान दल में गये हुए समस्त प्रतिभागियों एवं वाराणसी क्वालिटी टीम की उपस्थिति में जिलाधिकारी वाराणसी की के साथ बैठक की गयी। चिकित्सालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु जिन बिन्दुओं पर उनके द्वारा सहयोग अपेक्षित है, उन पर चर्चा की गयीः–

1. समस्त चिकित्सा इकाईयों पर पाल्यूशन कल्ट्रोल बोर्ड के द्वारा बॉयोमेडिकल वेस्ट का ऑथोराईजेशन प्रदान किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
2. इलेक्ट्रिसिटी विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला अस्पताल कां इलेक्ट्रिकल ऑडिट (विशेष रूप से एस.एन.सी.यू, ओ. टी. एवं आई.सी.यू) करवाने हेतु अनुरोध किया गया।
3. समस्त चिकित्सा इकाईयों पर फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल आयोजित करवाने के लिए जिलाधिकारी से सहयोग की अपेक्षा की गई।
4. एन0क्यू0ए0सी0 में चयनित चिकित्सा इकाईयों पर स्टैच्युटरी रिक्वॉरमेंट को पूर्ण करवाने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक का कार्यवृत्त :–

भ्रमण दल एवं डिस्ट्रिक्ट एवं डिविजनल क्वालिटी टीम की उपस्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद वाराणसी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी :–

1. जिला महिला चिकित्सालय वाराणसी के समस्त कर्मचारियों के लिए हिपेटाईटिस–बी0 वैक्सीन लगाने हेतु चर्चा की गई।
2. जिला महिला चिकित्सालय वाराणसी में वॉटर टैंक की सीढ़ी टूटी हुई है, जिसकी मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये गये।
3. जिला महिला चिकित्सालय की नई इमारत में वाहन पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।
4. जिला महिला चिकित्सालय के ड्रेनेज सिस्टम को दुरूस्त कराये जाने के लिए निर्देश दिये गये।
5. बॉयोमेडिकल इक्वीपमेन्ट का उच्चतम रखरखाव तथा उसकी दक्षता एवं उत्पादकता को बनाये रखने के लिए प्रति वर्ष ए0एम0सी0 करवायी जाये।
6. ओ0टी0 एवं लेबर रूम के लिए आवश्यक इक्वीपमेन्ट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
7. डिविजनल एवं डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी यूनिट स्थापित किये जाने हेतु राज्य द्वारा आवंटित धनराशि शीघ्र उपयोगित करते हुए उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग सुनिश्चित किया जाये।

लैब :–

1. स्पूटम एवं ब्लड के नमूने का निस्तारण नियमानुसार नहीं हो रहा था।
2. लैब में कार्य करते समय पी0पी0ई0 का उपयोग नहीं किया जा रहा था।
3. कलर कोडेड विन्स, हब कटर एवं पन्चर प्रूफ बॉक्स लैब में उपलब्ध नहीं थे।
4. कार्य निर्देश प्रदर्शित नहीं था।

अन्य विविध गैप्स :–

1. चिकित्सा इकाई पर जहां शिकायत पेटिका पाई गई वहां ग्रिव्यांस रिड्रेसल प्रकिया प्रदर्शित नहीं थी।
2. वॉटर टैंक की सफाई नियमित रूप से नहीं की जा रही थी।
3. बॉयोमेडिकल वेस्ट संग्रहण कक्ष में सफाई नहीं पाई गई, और कलर कोडेड वीन्स एवं जोनिंग नहीं थी निषप्रयोग सामान पड़ा हुआ था।
4. इन्फेक्शन कन्ट्रोल कमेटी की मीटिंग भ्रमण दिनांक तक नहीं की गई थी।
5. ड्रेस कोड एवं एन्टीबॉयोटिक पॉलिसी लागू नहीं थी।
6. उपलब्ध दवाईयों की सूची फॉर्मेसी में डिस्प्ले नहीं थी।

<u>एस0एस0पी0जी0 हास्पिटल वाराणसी :–</u>

1. आपरेशन थियेटर में एयर कंडिशनल कियाशील नहीं था उसके स्थान पर पंखें प्रयोग किये जा रहे थे, जिससे इन्फेंक्शन होने का खतरा है। अस्पताल प्रशासन को इस सम्बन्ध में जानकारी दे दी गयी हैं उनके द्वारा यह अवगत कराया गया है कि उक्त मेन्टीनेन्स कार्यों हेतु बजट की उपलब्धता ना होने के कारण ये कार्य नहीं किये जा रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि आपरेशन थियेटर की एयर कंडिशनर को बदलवा दिया जाये या मरम्मत करा दी जाये और पंखो को आपरेशन थियेटर से हटा लिया जाये जिससे मरीजों को होने वाले इन्फेक्शन से बचाया जा सके।

2. सफाई कर्मियों के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम एव राउन्ड के अनुसार सफाई नही की जा रही हैं एवं उपस्थिति रजिस्टर के अनुसार प्रथम पाली में 30 द्वितीय पाली में केवल 03 एवं तृतीय पाली में 03 सफाई कर्मी ही उपस्थित रह रहें। अस्पताल के गलियारों एवं शौचालयों में बहुत गन्दगी हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया कि अस्पताल परिसर की साफ–सफाई हेतु अनुबन्धित संस्था के सुपरवाईजर एवं प्रबन्धक के साथ बैठक कर उनको निर्देशित करें कि सभी सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति एवं निर्धारित कार्यक्रम व निर्धारित राउन्ड के अनुसार अस्पताल परिसर में सफाई कराना सुनिश्चित करें।
3. अस्पताल के मॉच्युरी मे बहुत गंदगी हैं तथा उसके एक कमरे में पानी भरा हुआ हैं बताया जा रहा हैं कि उस कमरे का फर्श तल कॉरीडोर से नीचे है, जिस कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है। इसको तत्काल ठीक कराने हेतु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया है।
4. अस्पताल में मरीजों को उच्च गुणवत्तापरक भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। सब्जी एवं दाल में पानी अधिक था तथा रोटिया सही से नही सेकी गयी थी एवं भोजन का वितरण शाम 04:00 से ही प्रारम्भ किया जा रहा जो सही नहीं है। इस सम्बन्ध में अस्पताल के अधीक्षक को भोजन का प्रतिदिन का मेन्यू निर्धारण करने व भोजन की गुणवत्ता बनाये रखने एवं भोजन को ससमय ढक्कन दार ट्रॉली का उपयोग करते हुए वितरण किये जाने हेतु सुझाव दिये गये। भोजन की गुणवत्ता प्रतिदिन चेक किये जाने हेतु डाक्टर/स्टाफ नर्स ऑन ड्यूटी को निर्देशित किये जाने हेतु सलाह दी गयी।

चिकित्सालय का भ्रमण करने के उपरान्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एव अपर निदेशक से मिल कर चिकित्सालय में पायी गयी कमियों के बारे मे बिन्दुवार चर्चा की गयी तथा उनको दूर करने के लिये कहा गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक का कार्यवृत्त :–

राज्य स्तरीय टीम के साथ सी0एम0ओ0 वाराणसी, सी0एम0एस0 दीन दयाल उपाध्याय चिकित्सालय, डिवीजनल एवं डिस्ट्रिक्ट कंसल्टेंट एवं हास्पिटल क्वालिटी मैनेजर द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी के साथ बैठक की गयी एवं भ्रमण के दौरान दल में गये हुए समस्त प्रतिभागियों एवं वाराणसी क्वालिटी टीम की उपस्थिति में जिलाधिकारी वाराणसी की के साथ बैठक की गयी। चिकित्सालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु जिन बिन्दुओं पर उनके द्वारा सहयोग अपेक्षित है, उन पर चर्चा की गयी:–

1. समस्त चिकित्सा इकाईयों पर पाल्यूशन कल्ट्रोल बोर्ड के द्वारा बॉयोमेडिकल वेस्ट का ऑथोराईजेशन प्रदान किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
2. इलेक्ट्रिसिटी विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला अस्पताल कां इलेक्ट्रिकल ऑडिट (विशेष रूप से एस.एन.सी.यू., ओ. टी. एवं आई.सी.यू.) करवाने हेतु अनुरोध किया गया।
3. समस्त चिकित्सा इकाईयों पर फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल आयोजित करवाने के लिए जिलाधिकारी से सहयोग की अपेक्षा की गई।
4. एन0क्यू0ए0सी0 में चयनित चिकित्सा इकाईयों पर स्टैच्युटरी रिक्वॉरमेंट को पूर्ण करवाने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक का कार्यवृत्त :–

भ्रमण दल एवं डिस्ट्रिक्ट एवं डिविजनल क्वालिटी टीम की उपस्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद वाराणसी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी :–

1. जिला महिला चिकित्सालय वाराणसी के समस्त कर्मचारियों के लिए हिपेटाईटिस–बी0 वैक्सीन लगाने हेतु चर्चा की गई।
2. जिला महिला चिकित्सालय वाराणसी में वॉटर टैंक की सीढ़ी टूटी हुई है, जिसकी मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये गये।
3. जिला महिला चिकित्सालय की नई इमारत में वाहन पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये।
4. जिला महिला चिकित्सालय के ड्रेनेज सिस्टम को दुरूस्त कराये जाने के लिए निर्देश दिये गये।
5. बॉयोमेडिकल इक्वीपमेन्ट का उच्चतम रखरखाव तथा उसकी दक्षता एवं उत्पादकता को बनाये रखने के लिए प्रति वर्ष ए0एम0सी0 करवायी जाये।
6. ओ0टी0 एवं लेबर रूम के लिए आवश्यक इक्वीपमेन्ट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
7. डिविजनल एवं डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी यूनिट स्थापित किये जाने हेतु राज्य द्वारा आवंटित धनराशि शीघ्र उपयोगित करते हुए उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग सुनिश्चित किया जाये।